Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

खण्ड–क

१। आदि मानव के इतिहास की जानकारी से संबंधित दो खोजों के नाम लिखें। २

२। प्राचीन मेसोपोटामिया के शहरों की दो विशेषताएँ बताइए: २

३। उन दो प्रमाणों की परीक्षा करें जो विश्व सभ्यता को रोमन सभ्यता की देनों की पुष्टि करते हैं। २

खण्ड–ख

भाग–१

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

४। करीब १०,००० वर्ष पूर्व कृषि एवं पशुचारन ने किस प्रकार मनुष्य के जीवन को प्रभावित किया ? उल्लेख करें।

५। प्राचीन मेसोपोटामिया के धार्मिक विश्वासों एवं रीति–रिवाजों का वर्णन करें। पुराने मंदिरबहुत कुछ घरों जैसे क्यों थे ? ३+२

६। कांस्टेनटाइन कौन था ? प्राचीन रोमन सभ्यता में उसकी उपलब्धियों की व्याख्या करें। २+३

७। ''यदि इतिहास लिखित विवरणों पर निर्भर करता है तो यायावर साम्राज्य के बारे में हमेशा प्रतिकूल विचार ही रखे जाएंगे।'' विवेचना करें। ५

भाग–२

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ?

८। एशिया एवं यूरोप पर धर्मयुद्धों के क्या प्रभाव पड़े ? ५

९। सामंतवाद से आप क्या समझते हैं ? सामंती समाज के तीन वर्गों की विशिष्ट विशेषताओं की विवेचना करें। २+३

१०। एजटेक निवासियों की विशिष्ट विशेषताओं की तुलना माया निवासियों से कीजिए।

भाग–३

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

११। औद्योगिक क्रान्ति ने औद्योगिक शहरों के लोगों के जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया ? ५

१२। संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्माण के लिए उत्तरदायी घटनाओं का वर्णन करें। अमेरिका के मूल निवासियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ा। २+३

१३। १४वीं एवं १५ वीं सदियों में यूनानी एवं रोमन संस्कृतियों के किन तत्वों को पुनर्जीवित किया गया ? पुनर्जागरण के परिणामों के संदर्भ में समीक्षा करें। ५

१४। १९ वीं सदी में एक साम्राज्यवादी देश के रूप में जापान के उदय के कारणों की विवेचना करें। ५

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

खण्ड–ग

१५। डा० सनयात सेन के तीन सिद्धान्त क्या थे ? १९११ की घटना के संदर्भ में व्याख्या करें। १०

अथवा

क्या आप जानते है कि माओ त्सेतुंग और चीन के साम्यवादी दल ने चीन को मुक्ति दिलाने और इसकी मौजूदा कामयाबी की बुनियाद डालने में सफलता प्राप्त की ?अपने मत के समर्थन में तर्क दीजिए।

१६। आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों को इतिहास की किताबों में शामिल क्यों नही किया गया ? १९७० के बाद बदलाव की लहर का अनुभव किस प्रकार किया गया ? १०

अथवा

औद्योगिक क्रान्ति से क्या तात्पर्य है ? इसके कारणों की विवेचना करें ?

खण्ड–घ

निम्नलिखित अनुच्छदों को ध्यान पूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

एक पुराकालिक पुस्तकालय

१७। ''मैं असुरबेनीपाल, ब्रह्माण्ड का सम्राट, असीरिया का शासक जिसे देवताओं ने विशाल बुद्धि प्रदान की है, जिसने विद्वानों के पांडित्य के गूढ़ ज्ञान को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की । मैंने देवताओं के बुद्धि–विवेक को पट्टिकाओं पर लिखा हैं.... मैंने पट्टिकाओं की जाँच की और संग्रहीत किया। मैंने उन्हें निनवै स्थित अपने इष्टदेव नाबू के मंदिर के पुस्तकालय में भविष्य में उपयोग के लिए रख दिया– अपने जीवन के लिए, अपनी आत्मा के क्ल्याण के और अपने शाही सिंहासन की नींव को मजबूत बनाए रखने के लिए....।

इससे महत्वपूर्ण काम था इन पट्टिकाओं की सूची तैयार करने का। इसके लिए एक टोकरी भर पट्टिकाओं को मिट्टी के लेबल से इस प्रकार अंकित किया गया।

''असंख्य पट्टिकाएँ भूत–प्रेत निवारण विषय, 'अमुक व्यक्ति द्वारा लिखी गई कुल मिलाकर १००० मूलग्रन्थ और लगभग ३०,००० पट्टिकाएँ थीं जिन्हें विषयानुसार वर्गीकृत किया गया ?

क) असुरबनिपाल कौन थे ? २

ख) पट्टिकाओं का संकलन उसने क्यों किया ? २

ग) उसने पुस्तकालय की स्थापना कहाँ की ? २

घ) मूलग्रन्थों एवं पट्टिकाओं का वर्गीकरण किस प्रकार किया गया ? २

अथवा

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

यास

१२२१ में बुखारा पर विजय प्राप्त करने के बाद चंगेज खान ने वहाँ के अमीर मुसलमान निवासियों को 'उत्सव मैदान' में एकत्रित कर उनकी भर्त्सना की। उसने उनको पापी कहा और चेतवनी दी कि इन पापों के प्रायश्चित के लिएउनके अपने छिपे हुए धन उसे देना पड़ेगा। यह वर्णन करने योग्य एक नाटकीय घटना थी जिन्हें लोगों ने लंबे समयतक याद रखा और उस पर चित्र बनाए। सोलहवीं शताब्दी के अन्त में चंगेज खान के सबसे बड़े पुत्र चोजी के एक दूर का वंशज अब्दूल्ला खान वहाँ छुट्टी की नमाज अदा करने गया। उसके इतिहासकार हाफिज–ए–तानीश ने अपने स्वामी की इस मुस्लिम–धर्म परायणता का विवरण अपने इतिवृत्त में दिया और साथ में यह चौका देने वाली टिप्पणी भी की' कि यह चंगेज खान के यास के अनुसार था।'

क) चंगेजखान ने अमीर मुसलमानों को कब और कहाँ एकत्रित किया ? २

ख) चंगेज खान ने उनको पापी क्यों कहा ? २

ग) अब्दुल्ला खान कौन था ? २

घ) 'यास' से आप क्या समझते हैं ? २

१८। ''दावत के दिनों में हमारे द्वारा अक्सर अनुभव की जाने वाली कमी, जगह की संकीर्णता, अत्वधिक यंत्रणा और शोर के कारण भागकर स्त्रियों का पुरूषों के सिरों के उपर स्थित वेदिका पर चले जाना ये सब कुछ ऐसे कारण थे कि हमने पवित्र चर्च को विस्तृत एवं व्यापक बनाने का निर्णय लिया.... विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक विशेषज्ञों के अति कुशल हाथों से तरह–तरह की शानदार नयी खिड़कियों की पुताई कराई, क्योंकि ये खिड़कियाँ अपने अद्भुत निष्पादन और बहुत मँहगे रंजित व सफायर काँच के कारण बहुत मूल्यवान थीं। इसलिए उनकी रक्षा के लिए हमने एक सरकारी प्रधान शिल्पकार और स्वर्णकार की नियुक्ति की। वे अपनी तनख्वाह बेदिका से सिक्कों के रूप में और आट अपने भाई बंधुओं के सार्वजनिक भंडार से ले सकते थे, वे उन कला वस्तुओं की देखरेख के कर्तव्यों की उपेक्षा कभी नही कर सकते थे ?''—एबट सुगेर

क) ऐबी क्या था ? २

ख) इसका वर्णन किसने किया ? २

ग) एक बड़े चर्च के निर्माण करने का निर्णय क्यों लिया गया ? २

घ) इसकी खिड़कियों की विशेषता का वर्णन करें। २

अथवा

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

१५०६ में अंग्रेजी भाषा में बाईबिल का अनुवाद करने वाले लुथरवादी अंग्रेज, विलियम टिंडेल ने प्रोटैस्टेंटवाद का इस तरह समर्थन किया :

'' इस बात से सब लोग सहमत होंगे वि आपको धर्मग्रन्थ के ज्ञान से दूर रखने के लिए यह चाहते थे कि धर्मग्रन्थ के अनुवाद आपकी मातृभाषा में उपलब्ध न हो सकें जिससे दुनियाँ अंधकार में ही रहे और वे लोगों के अन्तःकरण मे बनें रहें, जिससे उनके द्वारा बनाए व्यर्थ के अंधविश्वास और झूठे धर्म सिद्धान्त चलते रहें, जिसके रहते उनकी ऊँची आकांक्षाएँ और अतृप्त लोलुप्ता पूरी हो सके। इस तरह वे राजा, सम्राट और यहाँ तक कि अपने को ईश्वर से भी ऊँचा बना सके...। जिस बात ने मुझे मुख्य रूप से 'न्यू टेस्टामेन्ट' का अनुवाद करने की प्रेरणा दी। मुझे अपने अनुभवों से ज्ञात हुआ कि सामान्य लोगों को किसी भी सच्चाई की तब तक जानकारी नही हो सकती जब तक उनके पास अपने धर्मग्रन्थ के मातृभाषा में अनुवाद उपलब्ध न हों। इन अनुवादों से ही वे धर्मग्रन्थ की परिपाटी, क्रम और अर्थ समझ सकेंगे।

क) विलियम टिंडेल कौन थे ? २
ख) प्रोटैस्टेंटवादियों ने कैथलिक चर्च की आलोचना क्यों की ? २
ग) टिंडेल को अपने अनुभव से क्या ज्ञात हुआ ? २
घ) 'न्यू टेस्टामेंट' क्या हैं ? २

१९। जापानी भाषा एक साथ तीन लिपियों का प्रयोग करती हैं। इनमें से एक कांजी, जापानियों ने चीनियों से छठी शताब्दी में ली। चूँकि उनकी भाषा चीनी भाषा से बहुत अलग है, उन्होंने दो ध्वन्यात्मक वर्णमालाओं का विकास भी किया-हीरागाना और कताकाना। हीरागाना नारी सुलभ समझी जातीं है क्योंकि हेआन काल में बहुत सी लेखिकाएँ इसका इस्तेमान करती थीं-जैसे कि मुरासाकी। यह चीनी चित्रात्मक चिह्नों और ध्वन्यात्मक अक्षरों (हीरागना अथवा कताकाना) को मिलाकर लिखी जाती है। शब्द का प्रमुख भाग कांजी के चिन्ह से लिखा जाता है और बाकी का हीरागाना में।

ध्वन्यात्मक अक्षरमाला की मौजूदगी के चलते ज्ञान कुलीन वर्ग से व्यापक समाज में काफी तेजी से फैल सका। १८८० के दशक में यह सुझा दिया गया कि जापानी या तो पूरी तरह से ध्वन्यात्मक लिपि का विकास करें या कोई यूरोपीय भाषा अपना लें। दोनों में से कुछ भी नही किया गया।

अ) जापानी लिपि किससे ली गई है ? १
ब) किसने दो ध्वन्यात्मक वर्णमालाओं का विकास किया ? वह क्या क्या था ? ३
स) कौन सी ध्वनि नारी सुलभ समझी जाती है और क्यों ? ३
द) ध्वन्तात्मक अक्षरमाला किस प्रकार हमारी सहायता करती है ? १

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

अथवा

सिडनी के इलाके का एक वर्णन , १७९०

''ब्रिटिश की उपस्थिति ने आदिवासियों के उत्पादन को नाटकीय ढंग से अस्त-व्यस्त कर दिया। हजारों भूखे मुखों के आने से, जिनके आगे-पीछे सैकड़ों और आए, स्थानीय खाद्य संसाधनोंपर अभूतपुर्व दबाब पड़ा। तो दारूक लोगों ने इन सबके बारे में क्या सोचा होगा ? उनके लिए पवित्र स्थानों का इतने बड़े पैमाने पर विनाश और अपनी जमीन के प्रति विचित्र, हिंसक बरताव समझ से परे था। ये नवागंतुक बिना वजह पेड़ों को काटते जाते। यह बिना वजह इसलिए जान पड़ता था कि उन्हें न डोंगी बनानी थी न जंगली शहद इकट्ठा करना था और न ही जानवर पकड़ने थे। पत्थर को हटाकर उनका चट्टान लगा दिया गया, मिट्टी खोदकर उसे आकार देकर पका दिया गया, जमीन में गड्ढे बना दिए गए, बहुत भारी-भरकम इमारतें तैयार कर दी गईं। पहले-पहल उन्होंने इस सफाई की तुलना किसी पवित्र आनुष्ठानिक भूमि के निर्माण से की होगी..... सँभवतः उन्होंने सोचा कि एक विशाल कर्मकाण्डी जलसा होने जा रहा है और यह एक खतरनाक धंधा होगा, जिससे उन्हें पूरी तरह दूर रहना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि इसके बाद दारूक उन बस्तियों से बच कर रहने लगे, और राजकीय अपहरण ही उन्हें वापस लाने का एकमात्र तरीका था।''

—(पी० ग्रिमशशाँ, ए- लेक, ए० मैकग्राथ, एम० क्वार्टली, क्रिएटिंग ए नेशन)

अ) एबारिजीन किसे कहते हैं ? २

ब) ब्रिटिश की उपस्थिति ने आदिवासियों के उत्पादन को कैसे अस्त-व्यस्त कर दिया ? २

स) नवागंतुकों ने क्या-क्या किये थे ? ३

द) किसने बस्तियों से दूर रहना पसन्द किया ? १

२०। प्रदत्त यूरोप रेखामानचित्र में निम्नलिखित स्थानों को दर्शाइए :
बाक्सग्रोव, रोम, लेडरेट गुफा, निअंडर घाटी, शोर्नीजेन

अथवा

प्रदत्त आस्ट्रेलिया के रेखामानचित्र में निम्नलिखित स्थानों को दर्शाइए :
डार्विन, तस्मानिया, एडीलेड, मेलबोर्न एवं पर्थ।

२१। दिये गए दक्षिण अमेरिका के मानचित्र में अ, ब, स,द, इ के रूप मेंपाँच स्थानों को चिन्हित किया गया है उन्हें पहचानकर उनके नाम लिखिए।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

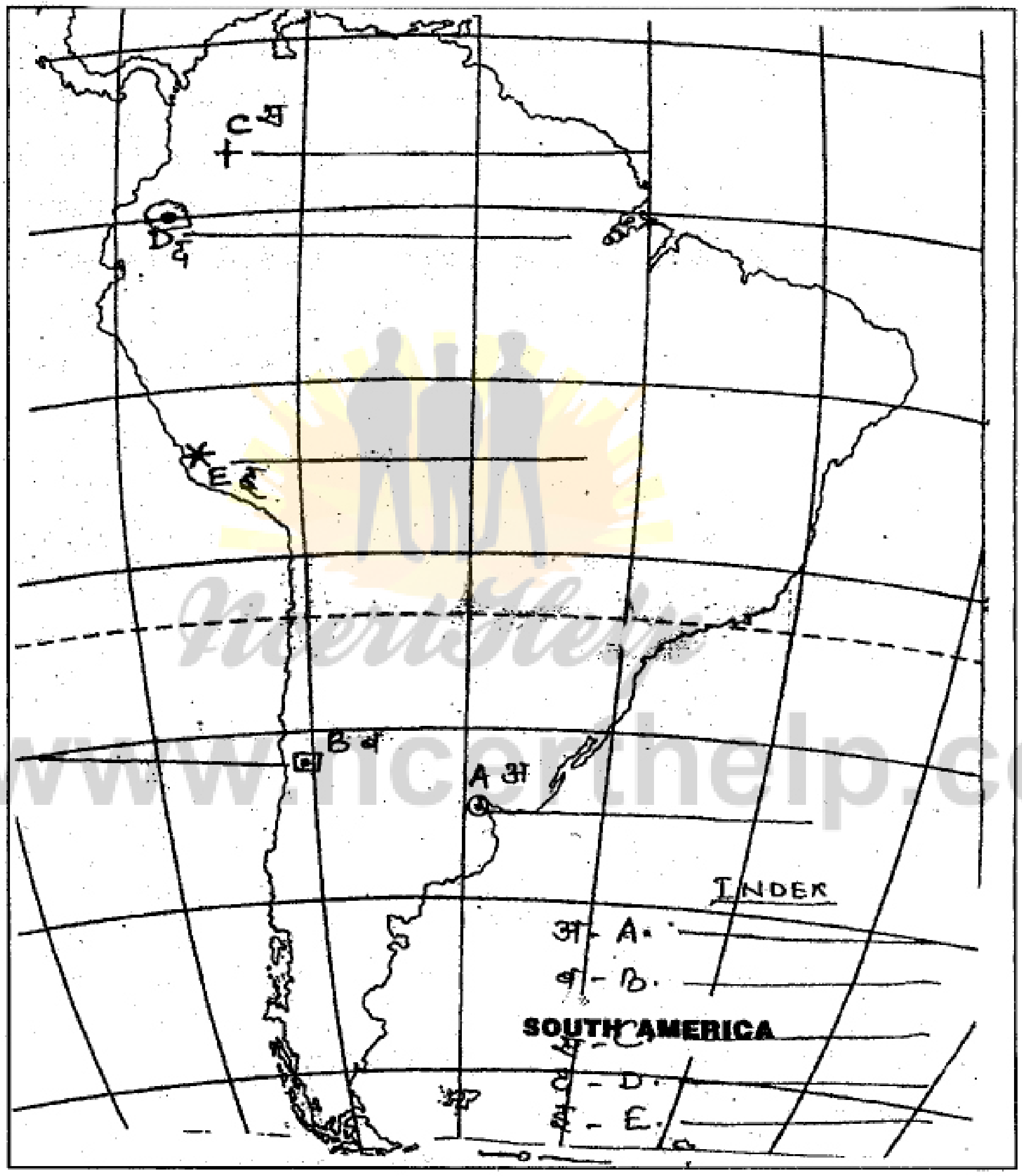

---ooo---

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12